नए साल का पेड़

व्लादिमीर सुतीव

हिंदी: अरविन्द गुप्ता

MINI PROGRESS & MINI RADUGA

उस सुबह बच्चों ने कैलेंडर देखा.
वो साल का आखिरी दिन था:
31 दिसंबर.

कल नया साल! कल के दिन मज़ेदार छुट्टी होगी. उस छुट्टी में नए साल का पेड़ लगाते हैं! खिलौने हम खुद तैयार कर लेंगे, लेकिन नए साल का पेड़ हमारे पास नहीं है.

बच्चों ने दादाजी फ्रॉस्ट को एक पत्र लिखने का फैसला किया ताकि वो घने जंगल से उनके लिए नए साल का पेड़ भेज सकें.

सबसे बढ़िया और खूबसूरत नए साल का पेड़...

बच्चों की ओर से दादाजी फ्रॉस्ट को:

प्रिय दादाजी फ्रॉस्ट!

कृपया नए साल के लिए हमारे लिए नए साल का पेड़ भेजें!

हां, पेड़ को सजाने के लिए खिलौने हम खुद बनाएंगे.

हमारा स्नोमैन आपके लिए एक पत्र लाएगा!

- बच्चे

बच्चों ने वो पत्र लिखा, और उसके तुरंत बाद वो एक स्नोमैन की मूर्ति बनाने के लिए यार्ड में दौड़े.

सभी बच्चों ने एक साथ काम किया: कुछ बच्चों ने बर्फ हटाई, दूसरों ने बर्फ के गोले बनाए...

बच्चों ने स्नोमैन के सिर पर एक पुरानी बाल्टी रख दी. उन्होंने कोयले से स्नोमैन की आंखें बनाईं. नाक की जगह उन्होंने एक गाजर चिपका दी.

स्नोमैन पोस्टमैन देखने में वाकई अच्छा लग रहा था!

बच्चों ने उसे अपना पत्र दिया और कहा:

"स्नोमैन, स्नोमैन!
आप एक बहादुर हिम डाकिए हैं.
आप अंधेरे जंगल में जाएं.
आप हमारा पत्र लेकर जाएं.
जब दादाजी फ्रॉस्ट को हमारा पत्र पढ़ेंगे.
फिर वो एक बढ़िया, सुंदर नए साल का पेड़ खोजेंगे
जंगल में, हरी सुइयों से सजा-धजा.
कृपया आप नए साल का पेड़ जल्दी लाएं
हम सब बच्चों के लिए!"

शाम हो गई. बच्चे घर चले गए, लेकिन स्नोमैन सड़क पर ही खड़ा रहा. उसने कहा: “बच्चों ने मुझे एक कठिन काम सौंपा है! बताओ, अब मैं कहां जाऊं?”

"मुझे अपने साथ ले चलो!" अचानक पिल्ले बोबिक ने कहा. "मैं रास्ता ढूंढने में तुम्हारी मदद करूंगा."

"यह तो अच्छी बात है. एक साथ यात्रा करने में अधिक मज़ा आएगा!" स्नोमैन खुश हुआ. “तुम पत्र और मेरी की रक्षा करोगे. साथ-साथ रास्ता भी याद रखोगे.”

फिर स्नोमैन और पिल्ला बोबिक बहुत देर तक चलते रहे.
अंत में वे एक विशाल, घने जंगल में पहुंचे.

खरगोश उनसे मिलने के लिए दौड़ा हुआ आया. "दादाजी फ्रॉस्ट कहां रहते हैं?" स्नोमैन ने खरगोश से पूछा. लेकिन खरगोश के पास उस सवाल का जवाब देने का समय नहीं था. एक लोमड़ी उसका पीछा कर रही थी.

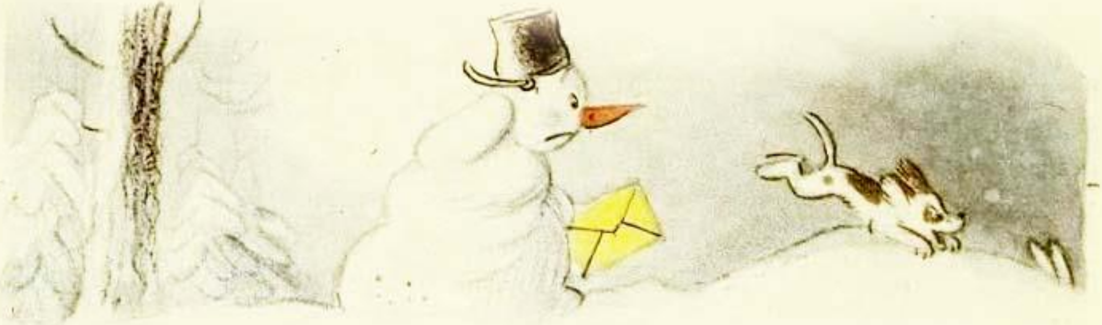

फिर पिल्ला बोबिक चिल्लाया "डुह, डुह!"
और फिर उसने खरगोश का पीछा किया!

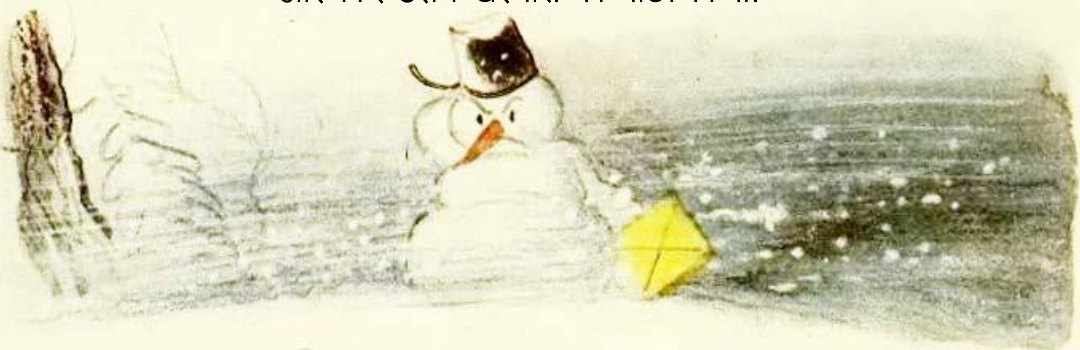

स्नोमैन उदास हो गया. "अब लगता है,
मुझे अकेले ही आगे जाना होगा."

तभी एक बर्फीला तूफ़ान आया. बर्फ़ीला तूफ़ान गरजने लगा और हवा में बर्फ़ के बवंडर उठने लगे ...

तूफ़ान से बिचारा स्नोमैन कांप उठा और ढह गया. फिर उसकी बाल्टी और एक गाजर, बर्फ पर गिर पड़ी.

दुष्ट लोमड़ी वापस दौड़ती हुई आई. "वो कहां गया जिसने मुझे खरगोश को पकड़ने से रोका था?"

लोमड़ी ने देखा. लेकिन वहां कोई भी नहीं था, सिर्फ एक पत्र बर्फ में पड़ा था. लोमड़ी ने पत्र उठाया और वो भाग गई.

पिल्ला बोबिक वापस लौटा.

"स्नोमैन कहां है?"

लेकिन वहां कोई स्नोमैन नहीं था.

उसी समय, भेड़िया, लोमड़ी के पास आया.

"तुम क्या ले जा रहे हो, चचेरे भाई?" भेड़िया गुर्राया.

"चलो उसे आपस में बांट लेते हैं!"

“मैं साझा नहीं करना चाहता. मैं पत्र मेरा है,”

लोमड़ी ने कहा और वो भाग गई.

भेड़िया, तेज़ी से लोमड़ी के पीछे भागा.

एक जिज्ञासु मैगपाई चिडिया, उनके पीछे-पीछे उड़ी.

बिचारा पिल्ला बोबिक रोने लगा, फिर खरगोशों ने उससे कहा:

"तुम्हें अच्छा सबक मिला. अब से हमारा पीछा मत करना और न ही हमें डराना."

पिल्ले बोबिक ने कहा, "मैं तुम्हें नहीं डराऊंगा, ओर तुम्हारा पीछा भी नहीं करूंगा," और फिर वो और भी जोर से रोने लगा.

"रोओ मत, हम तुम्हारी मदद करेंगे," खरगोशों ने कहा.

"हम खरगोशों की मदद करेंगी," गिलहरियों ने कहा.

फिर खरगोशों ने एक स्नोमैन की मूर्ति बनाना शुरू की. उस काम में गिलहरियों ने खरगोशों की मदद की. खरगोशों ने अपने पंजों से बर्फ हटाई. गिलहरियों ने अपनी पूंछों से बर्फ को एक ढेर में समेटा.

गिलहरियों और खरगोशों ने फिर से स्नोमैन के सिर पर एक बाल्टी रखी, कोयले से आंखें बनाईं और नाक की जगह पर एक गाजर चिपकाई.

स्नोमैन ने कहा, “मुझे दुबारा बनाने के लिए धन्यवाद. कृपा अब दादाजी फ्रॉस्ट को ढूंढने में आप मेरी मदद करें."

सभी जानवर स्नोमैन को, भालू के पास ले गए.
भालू अपनी मांद में सो रहा था.
जानवरों ने भालू को जगाया.

स्नोमैन ने भालू को बताया कि कैसे बच्चों ने उसके हाथ दादाजी फ्रॉस्ट के लिए एक पत्र भेजा था.

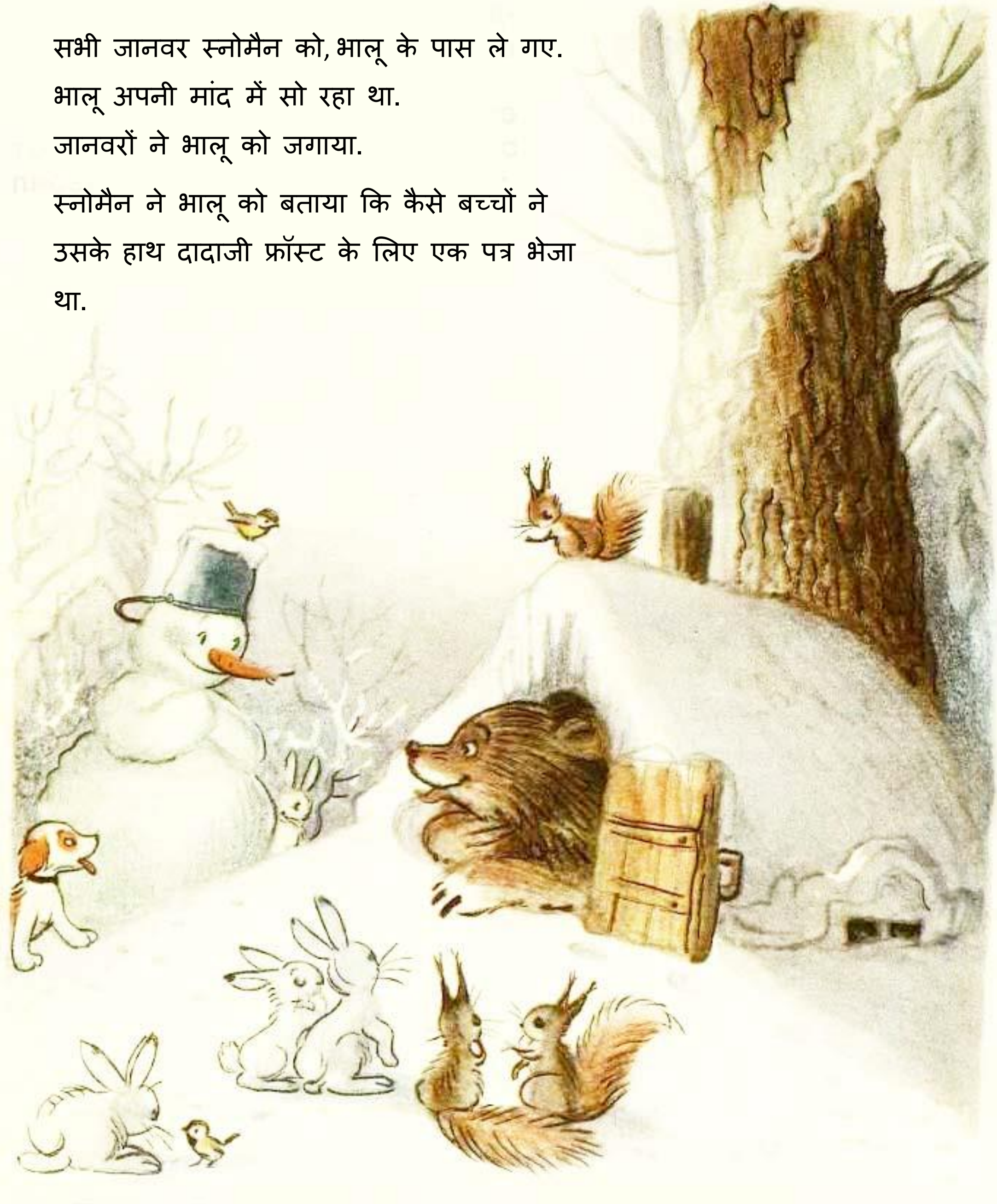

"पत्र कहां है?" भालू ने दहाड़ते हुए पूछा. सभी जानवर पत्र ढूंढने लगे. लेकिन उन्हें पत्र कहीं नहीं मिला!

"दादाजी फ्रॉस्ट बिना पत्र के तुम्हें क्रिसमस ट्री नहीं देंगे." भालू ने कहा, "बेहतर होगा कि तुम घर वापस चले जाओ. मैं तुम्हें जंगल से बाहर ले जाऊंगा."

अचानक मैगपाई उड़कर आई.

मैगपाई चिल्लाई:

“यह रहा पत्र! यह रहा पत्र!”

फिर मैगपाई ने उन्हें बताया कि उसे पत्र कैसे मिला.

और वो सब इस तरह हुआ था.

फिर जानवर और स्नोमैन पत्र लेकर दादाजी फ्रॉस्ट के पास गए.

स्नोमैन जल्दी में था और चिंतित था. वो या तो पहाड़ी से नीचे फिसलकर किसी गड्ढे में गिर सकता था, या फिर किसी किसी ठूंठ से टकरा सकता था.

ख़ैर, भालू ने उसकी मदद की, नहीं तो स्नोमैन ज़रूर गिर जाता.

अंततः सभी लोग दादाजी फ्रॉस्ट के पास पहुंचे. दादाजी फ्रॉस्ट ने पत्र पढ़ा और कहा: "तुम इतनी देर से क्यों आए? अब स्नोमैन के पास बच्चों के लिए नए साल का पेड़ ले जाने का समय नहीं होगा."

लेकिन सभी जानवरों ने पोस्टमैन की तरफदारी की. उन्होंने पोस्टमैन के साथ जो कुछ घटा था वो सब बताया. फिर दादाजी फ्रॉस्ट ने पोस्टमैन को अपनी बर्फगाड़ी दी, और उसमें नए साल के पेड़ को लेकर पोस्टमैन तेज़ी से बच्चों के पास शहर की ओर गया.

भालू अपने घर चला गया. वो अब वसंत तक सोएगा.

अगले दिन सुबह, स्नोमैन शहर में उसी स्थान पर खड़ा था.
केवल उसके हाथ में अब पत्र के बजाए एक नए साल का पेड़ था.

पूर्वस्कूली बच्चों के लिए किताब

लेखन और चित्र

व्लादिमीर ग्रिगोरिएविच सुतीव

नए साल का पेड़

International project:
"Mini Progress and Mini Raduga".